तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि
बिलासपुर, बुधवार 10 सितंबर 2025

[खरसिया। सारंगढ़। घरघोड़ा। धरमजयगढ़। पुसौर। बरमकेला। लैलूंगा। तमनार]

4 गढ़उमरिया में सरकारी सहयोग से शुरू हुआ नव गुरुकुल, रोजगार की मिलेगी गारंटी

खबर संक्षेप

पीडीएस संचालन के लिए 17 तक आवेदन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान आईडी क्रमांक 412001081 के संचालन हेतु नवीन संचालन एजेंसी की नियुक्ति की जानी है। जिसके महिला स्व.सहायता समूहए प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियांए वन सुरक्षा समिति से आवेदन मंगाए गए है। इच्छुक संस्था अपने पंजीयन प्रमाण.पत्र एवं अन्य सुसंगत दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी रा रायगढ़ में 17 सितम्बर शाम 5 बजे तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

महाविद्यालय में प्लेसमेंट कैंप आज

सारंगढ़। सीएम विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य के युवाओं को राज्य के विभिन्न निजी कंपनियों के द्वारा रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में शासकीय पंडित लोचन प्रसाद पांडेय कॉलेज सारंगढ़ में 10 सितंबर बुधवार को सुबह 11 बजे प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। इसमें 5वी से लेकर स्नातक उत्तीर्ण युवा शामिल हो सकते हैं। कार्य के आधार पर वेतन 10 हजार से 45 हजार तक निर्धारित है। टेक्निकल और नॉन टेक्निकल के 402 रिक्त पदों की भर्ती के लिए निजी कंपनी जैसे शाही एक्सपोर्ट रायगढ़, शिव शक्ति एग्रीटेक बिलासपुर, वेदांता स्किल स्कूल कोरबा, चैतन्य इंडिया फिन रायगढ़ और वेक्टर फाइनेंस रायगढ़ के द्वारा महिला एवं पुरुष युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

राज्य सलाहकार ने दुकानदार को किया प्रोत्साहित

सारंगढ़। स्वच्छ भारत मिशन की कार्यों को निरीक्षण करने के लिए राज्य स्तर से मोनिका सिंह राज्य सलाहकार ने बिलाईगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेढ़ीभादरा में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण किया। उन्होंने सामुदायिक शौचालय के साथ निर्मित दुकान से सामान भी खरीदी कि। सामुदायिक शौचालय का निर्माण ग्राम पंचायत के द्वारा कराया गया है जिसे 1000 प्रति माह किराए से दुकान को किराए पर दिया गया है। दुकानदार मासिक 5 से 6000 कमा लेते हैं और आसपास के लोगों को एवं आने जाने वाले लोग शौचालय का इस्तेमाल करते हैं।

जिले में 1183.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़। चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 8 सितम्बर तक 1183.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 3.5 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू.अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 1332.3 मिली मीटर, पुसौर में 1259.3, खरसिया में 1062.4, घरघोड़ा में 1212.1, तमनार में 935.7, लैलूंगा में 1031.7 मुकडेगा में 1428.1, धरमजयगढ़ में 971.3, छाल में 1093.9 एवं कापू में 1510.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

मुनाफा तो दूर मूल रकम भी नहीं मिली तो पहुंचे थाने

यू-ट्यूब में ट्रेंडिंग वीडियो देख अधिक धन कमाने की जागी लालच, दंपती ने गंवाए 1.8 करोड़

हरिभूमि
जिले में साइबर ठगों का आतंक, हर दिन 4 लोग हो रहे शिकार
243 दिन में 930 मामले, साढ़े 6 करोड़ की ठगी, जल्द एक हजार के पार होगा आंकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

यू-ट्यूब में ट्रेंडिंग वीडियो देख शहर के एक दंपती इस कदर झांसे में आ गए कि अधिक धन कमाने की लालच में उन्होंने अपनी जमा पूंजी जालसाजों के खाते में ट्रांसफर दी। इस तरह वो 1 करोड़ 8 लाख 44 हजार रुपए गंवा बैठे। वहीं जब उन्हें मुनाफा तो दूर मूल रकम तक वापस नहीं मिला तो उन्हें ठगी का ऐहसास हुआ। इसके बाद वो रकम वापसी की उम्मीद लेकर सिर पकड़े कोतवाली थाना पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

दरअसल ढिमरापुर रोड स्थित रॉयल रेसीडेंसी कॉलोनी निवासी श्रीमती मेदनी पटेल व उसके पति लखन पटेल ने यू-ट्यूब पर शेयर ट्रेंडिंग का विज्ञापन देखा। विज्ञापन में करोड़पति बनने का सपना दिखाने पर उन्होंने उसे विस्तार से देखा। वहीं उक्त विज्ञापन में इस कारोबार के फायदे गिनाते हुए दो मोबाइल नंबर भी दिए गए थे, साथ ही कहा गया कि ट्रेंडिंग का काम करने के इच्छुक होने पर इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। ऐसे में दंपती को करोड़पति बनने की लालच जागी और उन्होंने यू-ट्यूब पर दिए गए नंबरों पर सपर्क किया। जिसमें एक नंबर को रिसिव करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम नितिन शर्मा व दूसरे ने तेज कुमार जैन बताया। साथ ही दोनों ने खुद को यूके इंडिया ट्रेडिंग कंपनी के लिए काम करना बताया। इसके बाद दोनों ही शातिर ठगबाजों ने अपनी जादुई भरी बातों से कुछ ही मिनटों में दंपती को पूरी तरह अपने झांसे में ले लिया। वहीं दंपती द्वारा भी उनके बताए अनुसार अलग-अलग खातों में 1 करोड़ 8 लाख 44 हजार रुपए शेयर ट्रेडिंग के लिए इंन्वेस्ट कर दिया गया।

साइबर ठगों के जाल में फंस रहे शिक्षित लोग

अगर कोई कम पढ़ा-लिखा है या शुरूआत से ही शिक्षा से दूर रहा है वैसा व्यक्ति ठगी का शिकार होता है तो यह माना जा सकता है उसमें ज्ञान की (सोचने-समझने) की कमी थी, लेकिन उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले लोग भी आसानी से साइबर ठगबाजों के झांसे में आ रहे हैं। जिले में जितने भी साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं उनमें ज्यादातर पढ़े-लिखे लोग ही धोखधाड़ी के शिकार हुए हैं।

जनवरी से अगस्त तक 930 लोग ठगी के शिकारी

जनवरी से अगस्त तक 930 लोगों से आरोपियों ने करीब साढ़े 6 करोड़ रुपए की ठगी कर ली है। इस तरह देखा जाए तो हर दिन औसतन 3 से 4 लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। यह आंकड़े काफी चौकाने वाले हैं, इसमें पुलिस कर भी क्या सकती है। लोग खुद ही अंजान लिंक्स पर क्लीक करके, सोशल मीडिया में मैसेज व कॉल के जरिए अपनी गाढ़ी कमाई को गवां रहे हैं।

फिर से ठग लिए और 5 लाख

कुछ दिनों के बाद जब पटेल दंपत्ति ने उन्ही नंबरों पर संपर्क किया तो ठगों ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि पैसा निकालने के लिए 5 लाख रूपए और जमा करना पड़ेगा, इसके बाद ही पूरी रकम एक साथ वापस होगी। उनकी बातों में आकर लखन पटेल ने उनके खाते में 5 लाख रुपए और जमा कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने अपने नंबर बंद कर दिए। बार-बार कॉल करने पर उक्त नंबर उपलब्ध नहीं हैं जवाब मिला तो दंपत्ति को एहसास हुआ कि वे साइबर ठगों के जाल में फंस चुके हैं। इसके बाद उन्होंने घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाने में कराई। ऐसे में पुलिस ने श्रीमती मेदिनी पटेल के की रिपोर्ट पर मोबाइल नंबर धारक नितिन शर्मा व तेज कुमार जैन के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4) व 3 (5) के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

लालच बुरी बला है, अब हो जाएं सावधान

रायगढ़ पुलिस द्वारा साइबर ठगी से बचने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सोशल मीडिया, पोस्टर, और पब्लिक मीटिंग्स में बार-बार बताया जा रहा है अनजान नंबरों पर भरोसा न करें, किसी भी लिंक्स पर क्लिक न करें और पैसे ट्रांसफर करने से पहले सौ बार सोचें। इसके अलावा स्कूल, कॉलेजों व गावों में भी साइबर ठगी को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इतना ही नहीं आए दिन मीडिया में भी इस तरह के ठगी की खबरें आ रही हैं, इसके बाद भी लोग सबकुछ देख कर, पढ़ कर भी जागरूक होने को तैयार नहीं हैं। लोगों के मन में कम समय में अधिक धन कमाने की लालच की वजह से ही वो ठगी के शिकार हो रहे हैं। जबकि एक कहावत है कि लालच बुरी बला है..!

लोग समझने को तैयार नहीं

साइबर ठगी रोकने के लिए साइबर सेल, रायगढ़ की पुलिस द्वारा अभियान चलाते हुए हर तरह के जारूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसके बाद भी लोग समझने को तैयार नहीं हैं। इसी अज्ञानता की वजह से कोतवाली क्षेत्र में दंपती साइबर ठगी के शिकार हुए हैं। मेरी आम जनता से अपील है कि सबसे पहले सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले किसी भी अज्ञात लिंक्स, वीडियो कॉल, यू ट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम में आने वाले लुभावने वीडियो को ध्यान न दें।

अनिल विश्वकर्मा, डीएसपी साइबर सेल

छप्पर तोड़कर दुकान में घुसे चोर, लाखों का मोबाइल पार

रायगढ़। जूटमिल थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक मोबाइल दुकान का एल्बेस्टर तोड़कर अज्ञात चोर अंदर प्रदेश किए और लाखों रुपए के मोबाइल को पार कर दिया। यही पूरी वारदात मोबाइल मे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो चोर दिखाई दे रहे हैं। जूटमिल क्षेत्र में लगातार चोरी कर वारदातें बढ़ रही है, जिससे क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल है। दरअसल सोमवार की रात 12 बजे कोडातराई बस स्टैंड के पास सविन मोबाइल दुकान में चोरी की वारदात सामने आई है। दो अज्ञात शातिर चोर दुकान के एलबेस्टर को तोड़कर अंदर घुसे और दुकान में रखे मोबाइल फोन चुरा ले गए। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकान संचालक ने मामले की शिकायत जूटमिल थाने में की है। चोरी की गई मोबाइल की कीमत अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, जिसका आंकलन चल रहा है। घटनास्थल का मुआयना करते हुए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगालना शुरू कर दिया है ताकि चोरों की पहचान और गिरफ्तार किया जा सके। चोरों के आतंक से इलाके में सनसनी फैल गई है। फिलहाल लोगों में दहशत का माहौल है, क्योंकि यह चोरी व्यावसायिक क्षेत्र में हुई है। व्यापारियों ने भी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

टीडीएस रिटर्न फाइलिंग पर कार्यशाला का आयोजन आज

रायगढ़। जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत टीडीएस कटौती कर्ताओं द्वारा मासिक रिटर्न फाइल करने की प्रक्रिया को सरल एवं स्पष्ट रूप से समझाने हेतु रायगढ़ जिले के सभी कार्यालय प्रमुखो, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की जा रही है। यह कार्यशाला 10 सितंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सृजन सभागार में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य जीएसटी नियमों के अंतर्गत टीडीएस रिटर्न की फाइलिंग प्रक्रिया से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है।

महिला इंजीनियर ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में लिखा, मेरे सारे पैसे पिता को दे देना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिंदल स्टील एंड प्लांट में चार साल से असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर काम कर रही युवती ने पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस को मौके पर एक कागज मिला है, जिसमें युवती ने लिखा है कि मेरे सारे पैसे मेरा पिता को दे देना। इंजीनियर युवती ने किन कारणों से यह कदम उठाया वह अभी भी रहस्य बना हुआ है। फिलहाल कोतरारोड पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

खास बात

- जेएसपी के गर्ल्स हॉस्टल में लगाई फांसी, मौत का कारण अज्ञात

जिंदल स्टील प्लांट परिसर में सोमवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब कंपनी में काम करने वाली एक इंजीनियर युवती ने महिलाओं के लिए बने हॉस्टल में आत्महत्या कर ली। युवती का शव पंखे पर लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही कोतरा रोड पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। युवती का नाम मोनालिसा नायक (30) है, जो ओडिशा के क्योंझर जिले की रहने वाली थी। वह करीब चार साल से जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत थी और गर्ल्स हॉस्टल में रह रही थी। कुछ दिनों पहले उसने तबीयत खराब होने पर कुछ ब्लड टेस्ट करवाए थे। सोमवार दोपहर को वह रिपोर्ट लेने जिंदल फोर्टिस अस्पताल गई थी। रिपोर्ट लेकर आने के बाद उसने सहेली के साथ खाना खाया और अपने कमरे में चली गई। शाम करीब 5 बजे उसकी सहेली जब कमरे पर पहुंची और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद हॉस्टल स्टाफ को बुलाकर मास्टर चाबी से दरवाजा खोला गया तो अंदर मोनालिसा का शव पंखे से लटका मिला। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। इस दौरान पुलिस को

मोनालिसा के कमरे से एक कागज मिला है, जिसमें उसने लिखा था कि मेरे सारे पैसे मेरे पिता जी को दे देना, इसके अलावा उसने उक्त कागज में आत्महत्या के कारणों का कोई जिक्र नहीं किया था, जिससे पुलिस भी उलझन में पड़ गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

होनहार थी मोनालिसा

बताया जा रहा है कि मोनालिसा नायक ने बनारस हिंदू विवि से एमटेक की पढ़ाई की थी। कंपनी में मिली जिम्मेदारी का भी उसने बखूबी निर्वहन किया। कंपनी की ओर से कई बार उसके प्रदर्शन की वजह से अवार्ड भी मिले थे। अचानक से उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, इसका पता नहीं चल सका है।

कुछ दिन से युवती का स्वास्थ्य ठीक नहीं था, इस वजह से वह डॉक्टर के पास भी गई थी। हो सकता है उसे किसी बीमारी का पता चला होगा तब उसने यह कदम उठाया, फिलहाल यह जांच का विषय है। मौके पर एक कागज मिला है, जिसमें युवती ने लिखा है कि मेरे सारे पैसे मेरे पिता को दे देना।

मोहन भारद्वाज
टीआई, कोतरारोड

मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर छात्रों ने डिग्री कॉलेज में किया प्रदर्शन

छात्रों ने चंदा जुटाकर प्राचार्य को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

डिग्री कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर छात्रों का आक्रोश फुट पड़ा। प्राचार्य द्वारा फंड नहीं होने का हवाला देने से छात्रों पहले कॉलेज के गेट को बंद कर दिया। इसके बाद आपसी सहयोग से चंदा जुटाकर प्राचार्य को थमा दिया और इन सुविधाओं को पूरी करने की मांग की।

मंगलवार को एनएसयूआई के समर्थन में कॉलेज छात्रों ने डिग्री कॉलेज में जमकर हंगामा मचाया। छात्रों ने कॉलेज के मुख्य गेट को बंद कर कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज में

शौचालय पूरी तरह गंदगी से भरे रहते हैं और उपयोग के लायक नहीं हैं। साफ-सफाई के अभाव में छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं कैंपस में लगे सभी वाटर कूलर लंबे समय से खराब पड़े हैं। इसकी वजह से छात्रों को पानी पिने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई का समय भी बर्बाद होता है। छात्रों ने कहा इससे पहले भी इन्होने कॉलेज प्रबंधन को इन समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा था, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। छात्रों ने जब इस संबंध में प्राचार्य से बात कही तो उन्होंने फंड नहीं होने का हवाला दिया। इससे नाराज होकर छात्रों ने आपस में चंदा जमा किया और वह राशि प्राचार्य को सौंप दी। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन और अधिकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं तो छात्र खुद पैसे देने को तैयार हैं, लेकिन कॉलेज की मूलभूत समस्याओं का समाधान होना चाहिए। छात्रों का साफ कहना है कि वे पढ़ाई करने कॉलेज आते हैं, लेकिन खराब व्यवस्थाओं के कारण उनका ध्यान पढ़ाई से हटकर समस्याओं से जूझने में चला जाता है।

कोरकू, भील मुरिया, राजा मुरिया जनजाति में मृतक स्तंभ

परम्परा

डा. नीलिमा गुप्ता

बस्तर की जनजातियों में पाषाणयुगीन प्रागैतिहासिक मृतक संस्कारों की प्रथा आज भी देखी जाती है। कोरकू, भील मुरिया, राजा मुरिया, दंडाभी माड़िया, तथा अबूझमाड़िया जनजातियों में मृतक संस्कारों की यह परम्परा विद्यमान है। कोरकू जनजाति में व्यक्ति की मृत्यु होने पर काष्ठ निर्मित जिसे कोरकू मृतक स्तंभ मण्डा, मुण्डा, मण्डो अथवा गाथा पटिया कहा जाता है, जिसे सिडोली उत्सव आयोजित कर स्थापित करते हैं। पौष या माघ माह में घर के मुखिया तथा रिश्तेदारों सहित सुतार (लकड़ी) को तिलक लगाकर स्मृति चिन्ह उकेरने का कार्य आरंभ किया जाता है।

मण्डा दो प्रकार से बनाया जाता है। पहले प्रकार के

अनुसार चतुर्भुज आकार का स्तम्भ दो फीट चौड़ा तथा तीन चार फीट लंबा मोटे पटिया वाला होता है। इसके एक ही भाग पर पूर्वजों की आकृतियां मुख्य रूप से मृतक के प्रतीक स्वरूप आकृति उकेरी जाती है। दूसरी घुड़सवार की आकृति के ऊपर चंद्रमा - सूर्य बनाए जाते हैं। इन आकृतियों को बनाने की अवधारणा यह है कि व्यक्ति खुले हाथ आता है और खुले हाथ घोड़े पर सवार होकर चंद्रलोक होते हुए सूर्यलोक में जाता है। दूसरे प्रकार के लगभग पांच फीट लंबे, मोटे, चौरस स्तंभ का शीर्ष भाग मंदिर के समान होता है। इसके अग्र भाग में अधिकतर चांद सूरज तथा दाहिने भाग में गोदना गोदने वाले कलाकारों द्वारा मूंगा मूंगनी, पृष्ठ तथा बाएं भाग में पूर्वजों की प्रतीक आकृतियां उकेरी जाती हैं। स्तंभ का शेष भाग सुंदर बेल -बूटों, पशु - पक्षियों, भित्ति चित्रों, गोदना चित्रों तथा विविध ज्यामितीय आकृतियों से अलंकृत किया जाता है। वैरियर एल्विन के अनुसार ज्ञान स्मृति स्तंभों में कोरकू मण्डा श्रेष्ठ होते हैं।

ऐतिहासिक

डा. रामकुमार बेहार

छत्तीसगढ़ में आधुनिक युग का आरंभ

छत्तीसगढ़ में इतिहासकार आधुनिक युग का आरंभ 1741 ई. को मानते हैं। एक तर्क इस तथ्य पर आधारित है कि 1741ई में मराठा सेनापति भास्कर पंत ने रतनपुर के राजा रघुनाथ सिंह को परास्त किया। रघुनाथ सिंह जी को शासन से पृथक कर अपने व्यक्ति को शासन सूत्र का संचालक नियुक्त किया। इस समय बिंबाजी भोंसले रतनपुर पहुंचकर औपचारिक रूप से इस अंचल का शासन सूत्र संभालते हैं। उल्लेखनीय है कि बिंबाजी भोंसले ने पिता की मृत्यु के पश्चात अपने सेनापति पांडुरंग को छत्तीसगढ़ पर अधिकार करने के लिए भेजा, मगर पांडुरंग को सफलता नहीं मिली, पराजय व निराशा से वह वापस लौटा था। बिंबाजी स्वयं एक बड़ी सेना व अनुभवी सेना नायकों से आर पार की लड़ाई लड़ने आया था। इसी समय आधिपत्य वाले क्षेत्र में बीमार पड़ने के कारण मोहन सिंह की मृत्यु हो गई। आगे छत्तीसगढ़ पर मराठा आधिपत्य के मार्ग की बाधा दूर हुई। ऐसी स्थिति में मई 1757 ई से ही छत्तीसगढ़ के इतिहास का आधुनिक युग का आरंभ मानना अधिक उपयुक्त होता है।

लोक साहित्य

डा. कांति कुमार जैन

छत्तीसगढ़ के मध्य भाग की छत्तीसगढ़ी

छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जिले में बोली जाने वाली छत्तीसगढ़ी मध्य भाग की छत्तीसगढ़ी कहलाती है। इसे भाषा शास्त्रियों ने परिनिष्ठित, केंद्रीय या साधु छत्तीसगढ़ी भी कहा जाता है। इसके भाषा क्षेत्र में रायगढ़ जिले का पश्चिम भाग, जांजगीर चांपा, कवर्धा, राजनांदगांव जिले के साथ छुईखदान, तथा उत्तरी कांकेर जिले के भू भाग आते हैं। छत्तीसगढ़ के इस भाषा स्वरूप को लेकर दो तरह के मत व्यक्त किए जाते हैं। एक वर्ग बिलासपुर रतनपुर की छत्तीसगढ़ी को मानक मानता है, तो दूसरा वर्ग रायपुर की छत्तीसगढ़ी को। रायपुरी और बिलासपुरी छत्तीसगढ़ी के बीच शिवनाथ नदी एक तरह से विभाजक रेखा का कार्य करती है। वस्तुतः बिलासपुरी और रायपुरी छत्तीसगढ़ी में कोई मौलिक अंतर नहीं है। इनमें कतिपय परसर्गों, धातुओं और शब्दों के प्रयोग एवं अर्थ में अंतर दिखता है। रायपुर की छत्तीसगढ़ी में आदर्श रूपों में धातु के साथ ' अव' तथा बिलासपुरी में ' आ ' का प्रयोग होता है। परसर्गों में भी कर्मकारक को लेकर अंतर है। रायपुरी में ' ला ' का और बिलासपुरी में उसके स्थान पर ' का ' का प्रयोग किया जाता है। दोनों रूपों में संज्ञा पदो, सर्वनाम में भी किंचित अंतर दिखाई देता है। यह भी सत्य है कि रतनपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी होने के कारण उसके रूप को पूर्व में परिणिष्ठित माना जाता था। किन्तु लंबे समय से रायपुर छत्तीसगढ़ का केन्द्र है। प्रचार प्रसार एवं प्रशासन की केंद्रीयता के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ी के आधुनिक रूप की निमित्त में रायपुर की अधिक भूमिका रही है। एतदर्थ, रायपुर छत्तीसगढ़ी को मानक मान लेने के आग्रह में औचित्य प्रतीत होता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

परब विशेष

डा. पीसीलाल यादव

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट करते हैं पितर पाख में

छत्तीसगढ़ में धार्मिक रीति रिवाजों और परम्परा को मनाने की संस्कृति सदियों से चली आ रही है। अपने पूर्वजों को श्राद्ध तर्पण देने का ऐसा ही पर्व है - पितर पाख। यह क्वार कृष्ण पक्ष एकम से प्रारंभ होता है। इसमें पंद्रह दिनों तक पितरों को पिंड दान और तिल सहित जल का तर्पण दिया जाता है। प्रथम दिवस पितर बइसकी कहलाता है।

पितृ पक्ष लगते ही महिलाएं ओरवाती को गोबर से लिपती हैं। चौक पूर कर फूल चढ़ाती हैं। पितर को तर्पण देने वाला व्यक्ति जल तर्पण के समय दूब, कुश, तरोई पान, उड़द दाल व चावल का उपयोग कर पितरों को स्मरण करता है। पुरुष पितर जिस तिथि को दिवंगत होते हैं, उसी तिथि को उन्हें तर्पण दिया जाता है। नवमी के दिन माताओं को, पंचमी के दिन बच्चों व कुंवारों को तथा अकाल मृत्यु प्राप्त पितरों को चतुर्दशी को तर्पण दिया जाता है।

इन दिनों बरा, सोहारी, खीर आदि व्यंजन बना कर पितरों को चढ़ाया जाता है फिर परिवार जनों व इष्ट मित्रों को निमंत्रित किया

जाता है। पितृ पक्ष में दान का बड़ा महत्व है। अतः ब्राह्मणों व भांजा भांजियों को राशि, अन्न आदि दान में दिया जाता है। पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, आदर, श्रद्धा का भाव जगाने वाला यह पर्व पितृ ऋण से ऊऋण होने की प्रेरणा देता है।

गांव की कहानी : टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

लद्दी से लब्दी और लब्दी से हुआ गांव गब्दी

छत्तीसगढ़ के बालोद जिला मुख्यालय के दक्षिण दिशा में लगभग बयालीस किमी की दूरी पर बसे गांव गब्दी के स्थापत्य काल अट्ठारहवीं शताब्दी है। इस समय दक्षिण कोसल छत्तीसगढ़ के दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत गुंडरदेही रियासत में रायवंश के जमींदारी थी। रियासत नगरी से सोलह किमी दूरी पर ही गब्दी गांव बसा है। ग्राम पटेल व सेवानिवृत्त शिक्षक पी आर खरांशु के जनश्रुति के मुताबिक कुछ अनाज व्यापारी बैलगाड़ी से कहीं जा रहे थे। शाम होने पर रात्रि-विश्राम के लिए रुके। तभी उन्हें बबूल के झुरमुट से कीचड़ से सना एक भैंसा दिखाई दिया। करीब जाकर देखा तो पता चला कि वहां पर एक छोटा पोखर है। पोखर में पानी कम और लद्दी अर्थात कीचड़ अधिक था। व्यापारियों ने वहीं पर रात बिताई। इस तरह उन व्यापारियों का उसी रास्ते से आना-जाना चलता रहा। जब भी पोखर में पर्याप्त पानी रहता था, वे रात बिताते थे। धीरे-धीरे व्यापारी उस विश्राम स्थल पर बसने लग गए। एक बस्ती बन गई। बस्ती का नाम लद्दी रखा गया। लद्दी से लब्दी हुआ। समय के साथ लब्दी गांव ही गब्दी

कहलाया। वो छोटा सा पोखर आज बांधा देव तालाब कहलाता है। तालाब के शीतला माता मंदिर में क्वाँर नवरात्र को ज्योत-जँवारा व ज्योत-कलश की स्थापना अंचल में प्रसिद्ध है।कालांतर में अर्जुन कोष्टा गाँव के पहले जमींदार हुए। अटल कोष्टा, भरत कोष्टा, रामलाल, बिंझवार हल्बा, सुकलाल मुकरदम,अभय राम कलार, फकीर खरांशु, चुरामन लाल राव गुरुजी गाँव के नामी व्यक्ति हुए। हीरालाल कोष्टा गांव के पहले सरपंच हुए। इस क्षेत्र में गाँव गब्दी से ही संगीतमय रामायण प्रतियोगिता की शुरुआत हुई, जो अनवरत जारी है। ग्राम गब्दी में मंजे हुए लोक कलाकार भी हुए। आज यह गांव शिक्षा के साथ जागरूक गांव होने के साथ विकास के नए नए आयाम गढ़ रहा है।

सुरता

आशा झा

आंचलिक कला और साहित्य को समृद्ध करने में काफी योगदान रहा दानेश्वर शर्मा का

छत्तीसगढ़ अंचल के दुर्ग जिले के धमधा मार्ग में स्थित ग्राम मेड़ेसरा के निवासी रहे प. दानेश्वर शर्मा जी अपने जीवन को लोककला और साहित्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिए। आप भिलाई इस्पात संयंत्र में अधिकारी के रुप में अपनी सेवाएं दी। भिलाई इस्पात संयंत्र में 5 दिवसीय लोक कला महोत्सव की शुरुआत आपने की थी। इस भव्य मंच के माध्यम से आपने आंचलिक कलाकारों को भिलाई इस्पात संयंत्र के लोक कला महोत्सव में स्थान देकर उन्हें ऊंचाई प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि आपकी प्रेरणा से राज्य और देश में कई कलाकार अपनी कला का आज जादू बिखेर रहे हैं। इनमें पद्म

विभूषित तीजन बाई, देवदास बंजारे, ऋतु वर्मा, खुमान लाल साव जी जैसे अनेक विधा के कलाकार अंचल की लोक कला को देश विदेश में पहुंचाए। आप स्वयं एक साहित्यकार रहे तथा आपके द्वारा लिखित कई कालजई गीत आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित होते रहते हैं। कई पुस्तकों का प्रकाशन आपका हुआ है, तथा श्रीमद भागवत गीता का छत्तीसगढ़ी में आपने अनुवाद किया है। आप छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। आपने अमेरिका के न्यूयार्क में 2007 को आठवीं विश्व हिन्दी सम्मेलन में सम्मिलित हुए। श्रीमद भागवत पुराण के अच्छे कथा वाचक के रुप में भी आप जाने गए। छत्तीसगढ़ी फिल्मों में भी आपके गीतों को शामिल किया गया है।

कला जगतः डा. निशा शर्मा

मध्य काल में भी प्रभावी रहा ददरिया

हमारे ग्रामीण अंचल में बैलगाड़ी आवागमन का महत्वपूर्ण साधन रहा है। अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण अपने बेलों को विभिन्न रंगों में सजाता संवारता है। ऐसी सजे संवरे बैलगाड़ी में अगर कोई ग्रामीण बाला चढ़ने को उत्सुक है तो वह दिलवाली होगी। श्रृंगारिक भावनाओं का परिचय मनुज प्रवृत्ति एवं व्यवहार से प्रदर्शित हो जाती है। अंचल विशेष की स्पष्ट छवि मन में अंकित हो जाती है। मध्य काल की लोक गाथाओं में तंत्र मंत्र का मायाजाल विद्यमान है। इसका प्रभाव ददरिया में भी है -

गाड़ी मा डारों गोबर खरसी।
थोपे डारो मोहनी जबरदस्ती।

मध्य काल में नाथ सिद्ध परम्परा का प्रचलन हुआ। उसी के समानांतर यहां भी जंगलीय जीवन में बैगा, जादू टोना ,

तंत्र मंत्र का प्रभाव पनपा। गौड़ जाति की एक शाखा बैगा, सम्मोहन, उच्चाटन आदि तंत्र मंत्र एवं जड़ीबूटियों का प्रयोग देखने को मिला।

कुछ लोग जो इस अंचल के दूर के वासी हैं, उनकी धारणा बन गई कि छत्तीसगढ़ में पुरुष ही नहीं, स्त्रियां भी जादू, तंत्र मंत्र, टोना टोटका जानती हैं और बाहर से आए लोगों को सम्मोहित कर लेती हैं। सम्मोहन की कला में यहां की स्त्रियां पारंगत थीं, यहां की लोक गाथाओं और ददरिया में भी यह स्पष्ट झलकता है।लगभग यह संस्कृति अब समाप्त हो चुकी है।

रीतिकाल में रचनाकार, नायक एवं नायिकाएं, कृष्ण एवं राधिका में प्रत्यारोपण करके श्रृंगारिक भावनाओं को प्रतिबिंबित करते रहे। इसका प्रभाव ददरिया में भी पड़ा है -

आमा लगाए ओरी के ओरी।
एमा रेंगे कन्हैया जांवर जोड़ी।

रहस्यात्मक अध्यात्म को भी चित्रित एवं विशिष्ट ढंग से समझना ददरिया कि मौलिकता है। आधे स्वर्ग में दुनिया की जो स्थिति है उसे देखें इस ददरिया में -

आधा सरग में उड़ेला मरही।
पांच नाम ला सुमर ले तोर चोला तरही।

खबर संक्षेप

राकांपा के प्रदेश विस्तार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष से बैठक

राउरकेला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ओड़िशा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजकुमार यादव ने नई दिल्ली दौरे के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार से उनके आवासीय कार्यालय पर मुलाकात की। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठन का प्रस्ताव रखा और पूर्णांग कमेटी सौंपने पर विचार-विमर्श किया। इसके अतिरिक्त उड़ीसा प्रदेश में संगठन के भविष्य की दिशा और आगामी चुनावी रणनीतियों पर भी बातचीत हुई। डॉ. यादव ने कहा कि उड़ीसा में पार्टी के विस्तार की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी पहले भी चार विधानसभा सीटें जीत चुकी है और एक लोकसभा सीट केवल 5000 वोटों के अंतर से खोई थी। उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए तैयार है और अपने दमखम से चुनाव लड़ेगी।

राज्य स्थापना: रजत जयंती पर सेमिनार

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के शैक्षणिक संस्थानों में रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के एकमात्र कन्या महाविद्यालय शासकीय विजय भूषण सिंहदेव कन्या महाविद्यालय, जशपुरनगर में सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में राजकपुर भगत जिला मंत्री भाजपा, मुकेश सोनी मंडल अध्यक्ष भाजपा, अमित साय पूर्व जिला मंत्री भाजपा युवा मोर्चा एवं आशुतोष राय उप सरपंच महुआ पंचायत शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया। प्राचार्य डॉ.एम गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय की उपलब्धियों और राज्य की 25 वर्ष की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला।मुख्य वक्ता अरविन्द भगत ने छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली विकास पर अपने विचार व्यक्त किए और छात्राओं को निरंतर प्रगति करने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री अलंकृत लकड़ा ने भी राज्य के विकास पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक (भूगोल) अर्जुन खलखो ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक (रसायन शास्त्र) श्रीमती निमन झरिया मिंज ने किया। कार्यक्रम की सफल बनाने में एनएसएस प्रभारी सुश्री सीमा भगत, सहायक प्राध्यापक ,इतिहास श्रीमती नीता श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापकगण, कार्यालयीन स्टाफ, अतिथि शिक्षक एवं जनभागीदारी शिक्षकगण का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बनाया।

पमशाला से सराईटोला मार्ग निर्माण की मिली मंजूरी

जशपुरनगर। जिले के फरसाबहार क्षेत्र के एक और महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिए मंजूरी मिल गई है। जिले के फरसाबहार–तपकरा मार्ग पमशाला से सराईटोला पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य को राज्य शासन द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मार्ग लगभग 11.50 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें पुल-पुलिया निर्माण का कार्य भी शामिल है। इस परियोजना के लिए राज्य शासन ने 23 करोड़ 96 लाख की राशि स्वीकृत की है।इस सड़क निर्माण की स्वीकृति से न केवल ग्रामीण अंचल को मजबूत और सुरक्षित सड़क सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आसपास के ग्रामीणों को यातायात और संपर्क साधनों में बड़ी सहूलियत मिलेगी। सड़क निर्माण से किसानों को अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

एमवी एक्ट उल्लंघन पर तीन बाइक जब्त, सड़क सुरक्षा पर सख्ती जारी

कोइडा पुलिस ने चलाया ट्रैफिक अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ राउरकेला

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कोइडा पुलिस ने सोमवार को विशेष मोटर वाहन प्रवर्तन अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की और तीन मोटरसाइकिल जब्त की।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अभियान के दौरान बिना वैध कागजात, हेलमेट का उपयोग न करना और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी जैसी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई। उन्होंने बताया कि यह कदम केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है बल्कि लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास है। कोइडा पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। पुलिस ने अपील की है कि लोग नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें और सड़क सुरक्षा में सहयोग करें।

बुजुर्गों से की बातचीत मोबाइल नंबर साझा कर दिलाया सुरक्षा का भरोसा

साइकिल से शहर की सैर पर पुलिस कप्तान

रविवार की सुबह शहरवासियों के लिए खास रही, जब पुलिस अधीक्षक नितेश वाधवानी साइकिल चलाते हुए शहर की मुख्य सड़कों पर नजर आए। आमतौर पर सरकारी गाड़ियों के काफिले में दिखने वाले अधिकारी का यह रूप देखकर लोग उत्सुक हो गए। कई राहगीरों ने इस पल को अपने कैमरों में भी कैद कर लिया।

एसपी वाधवानी सीधे साइकिल से कोयलनगर पार्क पहुंचे, जहाँ उन्होंने सुबह टहलने आए वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने न केवल उनकी समस्याएं सुनीं, बल्कि पार्क में उपलब्ध सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की। विशेष बात यह रही कि उन्होंने कुछ बुजुर्गों को अपना निजी मोबाइल नंबर साझा करते हुए भरोसा दिलाया कि किसी भी परेशानी की स्थिति में वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। पार्क में मौजूद बुजुर्गों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एसपी का यह कदम बेहद प्रभावी है और इससे पुलिस व जनता के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत होगा। वरिष्ठ नागरिकों का कहना था कि साइकिल से आकर आम लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनना, पुलिस प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि एसपी नितेश वाधवानी पुलिस प्रशासन को जनता के प्रति और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उनकी यह अनोखी पहल अब राउरकेला में चर्चा का विषय बन गई है।

बनाई में मामूली विवाद के बाद झड़प, तनाव और आक्रोश

राउरकेला। बनाई टाउन शनिवार देर रात अचानक तनाव का केंद्र बन गया। स्थानीय जिम व्यायामशाला में दो युवकों के बीच हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इसके बाद मामला और तूल पकड़ गया जब एक पक्ष ने अपने साथियों के साथ जिम के बाहर हमला कर दिया।

- डीआईजी ने किया निरीक्षण, प्लाटून पुलिस बल तैनात

अगले दिन रविवार को पीड़ित युवक के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग जुट गए और आरोपियों से प्रतिशोध की कोशिश की। दोनों पक्ष अलग-अलग समुदायों से जुड़े होने के कारण यह विवाद धीरे-धीरे साम्प्रदायिक रंग लेने लगा। देखते ही देखते पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश फैल गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस प्रशासन हरकत में आया। भारी मशक्कत के बाद झड़प को काबू में किया गया। रविवार देर रात डीआईजी बृजेश कुमार राय और एसपी नितेश वाधवाणी स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से संयम एवं शांति बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोमवार को बनाई टाउन में तीन प्लाटून पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इलाके में गश्त और निगरानी भी बढ़ा दी गई है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार मौके पर डटे हुए हैं और हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें और शांति बनाए रखें। अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक सहयोग और संयम से ही बनाई टाउन में सामान्य माहौल बहाल किया जा सकेगा।

दुर्गा पूजा से पहले सुधार का आश्वासन

बंडामुंडा रोड की दुर्दशा देख चौंके दिलीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ राउरकेला

सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप राय शहर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले बंडामुंडा क्षेत्र का दौरा किया। दौरे के दौरान जर्जर सड़कों की दुर्दशा देखकर वे स्वयं भी चौंक पड़े। स्थानीय नागरिकों ने उन्हें आवागमन में हो रही दिक्कतों और लंबे समय से उपेक्षित पड़ी सड़क की स्थिति से अवगत कराया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री राय सीधे सुंदरगढ़ कलेक्टर और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों से मिले। बैठक में उन्होंने बंडामुंडा रोड की खराब हालत का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग रखी। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि दुर्गा पूजा से पहले सड़क मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा। इस आश्वासन से स्थानीय लोगों में राहत की भावना दिखी। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समयसीमा में काम पूरा हो जाता है तो क्षेत्र के हजारों लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। लोगों ने दिलीप राय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से बंडामुंडा रोड की समस्या का समाधान जल्द निकलने की उम्मीद बंधी है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में परिवहन पर सिंडिकेट का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राउरकेला

राउरकेला इस्पात संयंत्र में माल परिवहन व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि एक प्रभावशाली सिंडिकेट लंबे समय से परिवहन पर अपना दबदबा बनाए हुए है और यूनियन के नाम पर अनैतिक तरीकों से बाहरी गाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस पर रोक लगाने और हकीकत जानने के लिए सोमवार 8 सितंबर को राउरकेला गुड्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने देवगांव गेट का मुआयना किया।

आरजीटीए के पूर्व महासचिव मोहम्मद सलीम ने बताया कि जब यूनियन की गाड़ियां खड़ी रहती हैं, तब भी उन्हें नहीं लगाया जाता, बल्कि बाहर की गाड़ियों को 300-400 रुपये अतिरिक्त लेकर काम पर लगाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह सिर्फ परिवहन नहीं

- आरजीटीए सदस्यों का मुआयना उच्चस्तरीय जांच की मांग

बल्कि कुछ और बड़ा खेल है। उनका आरोप है कि इस पूरे मामले में संयंत्र के कर्मचारी और अधिकारी भी दबे स्वर में शामिल बताए जाते हैं। सलीम का कहना है कि यदि विजिलेंस की आंतरिक टीम या उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तो पूरा सिंडिकेट बेनकाब हो जाएगा। अन्य सदस्यों ने भी खुलकर कहा कि यह मामला कुछ पैसों का नहीं बल्कि करोड़ों के खेल का है। उन्होंने दावा किया कि यदि एक्सेस मटेरियल डिस्पैच की जांच कराई जाए तो पूरा सच अपने आप सामने आ जाएगा। आरजीटीए ने स्पष्ट किया है कि उनकी टीम शीघ्र ही न केवल संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों से बल्कि इस्पात मंत्रालय तक प्रतिनिधि मंडल भेजकर तथ्यात्मक आधार पर पूरे मामले का खुलासा करेगी। सोमवार को हुए निरीक्षण में नंदकिशोर सिंह, नंदू बाबू, शंकर लाल शर्मा, राकेश जयसवाल मुन्ना, एच. किट महाजन, अमूलया धल, अम्बुज शुक्ला, बलविंदर सिंह बिट्टू, मिंटू सिंह समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

प्री स्कूल के सामने स्पा अभिभावक नाराज

राउरकेला। शहर के सिविल टाउनशिप के मध्य भाग में स्थित एक प्री स्कूल के ठीक सामने स्पा के संचालन को लेकर स्थानीय अभिभावकों में असंतोष फैल गया है। अभिभावकों का कहना है कि जहां छोटे बच्चे प्री स्कूल में शुरुआती शिक्षा प्राप्त करने आते हैं, वहीं उनके सामने ऐसी सुविधा का होना स्कूल परिवेश और बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से उचित नहीं है।

अभिभावकों ने बताया कि बच्चों को लाना और ले जाना पहले ही चुनौतीपूर्ण होता है, ऐसे में स्कूल के ठीक सामने स्पा का संचालन अतिरिक्त परेशानी और विवाद का कारण बन रहा है। उनका यह भी कहना है कि यह स्थिति केवल सिविल टाउनशिप तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे मामलों की सूचना मिलती रहती है। स्थानीय लोग और अभिभावक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कानून और नैतिकता के आधार पर इस प्रकार के स्पा को स्कूल के निकट संचालित होने से रोकना आवश्यक है।

जुरूडांड़ हादसा कांग्रेस ने शवों पर की राजनीति, भाजपा ने किया सच उजागर

प्रेसवार्ता करते भाजपा।

जशपुरनगर। जिले में हुए जुरूडांड़ हादसे को लेकर राजनीति गरमा गई है। जिला भाजपा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए उसे "झूठ और फरेब की फैक्ट्री"करार दिया। पत्रकार वार्ता में सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती गोमती साय, विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार राय, पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला महामंत्री मुकेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी सरवर फैजान खान,संतोष सिंह, विजय सहाय, कृपाशंकर भगत, नरेश गुप्ता और श्रीमती शारदा प्रधान मौजूद रहे। पत्रकार वार्ता में विधायक गोमती साय ने कांग्रेस पर सीधा वार करते हुए कहा कि घटना के बाद भाजपा विधायक, कलेक्टर और एसपी मौके पर मौजूद रहे और रातभर राहत-बचाव कार्य किया। लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने शवों को लेकर सड़क पर प्रदर्शन कर राहत कार्य में बाधा डाली। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सहप्रभारी सिर्फ राजनीति की रोटी सेंकने जशपुर आई थीं। उन्होंने भाजपा और प्रशासन पर झूठा आरोप लगाया कि कोई मौके पर नहीं पहुँचा। सच्चाई यह है कि भाजपा और प्रशासन की पूरी टीम हर पल पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी रही। कांग्रेस का झूठ जनता देख चुकी है और अब वह इनके छलावे में आने वाली नहीं।

- भाजपा का प्रहार झूठ और फरेब की फैक्ट्री बन चुकी कांग्रेस

महिला डीडीसी की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का झूठ बेनकाब

कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए रायमुनी भगत ने कहा कि कांग्रेस ने मीडिया में झूठा प्रचार किया कि महिला डीडीसी को रात में बिना महिला पुलिसकर्मी के गिरफ्तार किया गया। जबकि सच्चाई यह है कि मौके पर महिला एएसआई मौजूद थीं और संबंधित महिला स्वयं पुलिस वाहन में बैठी थीं। थाने के रोजनामचे में यह दर्ज है। कांग्रेस ने झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया।

कांग्रेस के दोहरे मापदंड उजागर

गोमती साय ने कांग्रेस सरकार के दौरान मुआवजा राशि के भेदभाव को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि 2021 की पत्थलगांव दुर्घटना में राजनीतिक दबाव में कांग्रेस सरकार ने 50 लाख का मुआवजा दिया। लेकिन गरियाबंद 2022, बालोद 2023, बिलासपुर 2023 और बेमेतरा 2023 के हादसों में मृतकों के परिजनों को केवल 2 से 10 लाख रुपये दिए गए। क्या जान की कीमत अलग-अलग होती है? यह कांग्रेस की अवसरवादी राजनीति का प्रमाण है।

कांग्रेस ने शवों पर राजनीति की, भाजपा ने की मदद: रायमुनी

विधायक रायमुनी भगत ने कहा कि 2 सितंबर को सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हुई। हम सबने पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होकर मदद की, लेकिन कांग्रेस ने शवों को सियासत का हथियार बना लिया। यह निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद वे खुद मौके पर पहुँचीं, घायलों को अस्पताल ले गईं और रातभर इलाज की व्यवस्था करती रहीं। छह एंबुलेंस से 17 घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले जाकर भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को सच्चाई पता तक नहीं, लेकिन बयान ऐसे देते हैं मानो वही सबकुछ जानते हों। कांग्रेस का यह रवैया राजनीति का सबसे घटिया स्तर है।

संयुक्त छापेमारी में विदेशी शराब दुकानों की पोल खुली

राउरकेला। विभागीय लापरवाही और बदनामी के बीच आबकारी विभाग एवं पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। इन अभियानों में सफलता तो मिल रही है, लेकिन इसका श्रेय उड़ीसा पुलिस को जाता दिख रहा है।

रविवार को संयुक्त अभियान के तहत पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने कोएलनगर स्थित लाइसेंसी विदेशी शराब दुकान और झीरपानी आईएमएफएल शॉप पर छापा मारा। कोएलनगर दुकान की जांच में गंभीर अनियमितताएं और गड़बड़ियां सामने आईं। इसकी रिपोर्ट विभागीय कार्रवाई के लिए भेज दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि शराब दुकानों में नियमों का पालन अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर झीरपानी थाना पुलिस ने पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल कर खुले में शराब पीने वालों पर बड़ी कार्रवाई की। पार्क और शराब दुकानों के आसपास शोर-शराबा और हंगामा कर रहे 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि तकनीकी निगरानी से असामाजिक गतिविधियों पर तुरंत नियंत्रण संभव हुआ है। एसपी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई को नागरिकों ने सराहा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि आगे भी ड्रोन आधारित निगरानी जारी रहेगी ताकि सार्वजनिक स्थलों पर शांति व्यवस्था बनी रहे। इसी बीच राजगांगपुर पुलिस ने भी ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए रविवार देर रात बड़ी सफलता हासिल की। बढ़ीबापड़ा गणेश मंदिर के पास एक कार (ऑडी 16ई 6579) से 101 बोतलें (करीब 27 लीटर) विदेशी शराब जब्त की गई। कार सवार युवक शिव सोनझर (28) निवासी बगिचापड़ा को मौके से गिरफ्तार किया गया।

- पुलिस की तकनीकी कार्रवाई से नशाखोर बेनकाब

आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया है। गौरतलब है कि इसी माह की पहली तारीख को भी पुलिस ने 27 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त कर सात आरोपियों को पकड़ा था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से इलाके के अवैध शराब और नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

पाक, फिलिस्तीन झंडे फहराने का विवाद बढ़ा, पुलिस ने मामला दर्ज किया

राउरकेला। पैगंबर मोहम्मद की जयंती पर निकाले गए जुलूस में पाकिस्तान और फिलिस्तीन के झंडे फहराए जाने का मामला गरमाता जा रहा है। भाजपा की शिकायत के बाद प्लांटसाइट थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 5 सितम्बर को मुख्य सड़क पर निकाले गए जुलूस के दौरान कुछ लोग पाकिस्तान और फिलिस्तीन के झंडे लहराते देखे गए, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। शिकायतकर्ता ने इसे राष्ट्रविरोधी और भारत का अपमान बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने वायरल वीडियो की पड़ताल शुरू कर दी है और झंडे लहराने वालों की पहचान करने में जुटी है। महताब रोड में लगे विदेशी झंडे शिकायत के बाद हटा दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी देशविरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना पर हिन्दू संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। वहीं कुछ मुस्लिम संगठनों ने कहा कि यह कार्य जुलूस की भावना को बदनाम करने की साजिश है और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की अपील की।

पांच अंतरराज्यीय सट्टेबाज गिरफ्तार

राजगांगपुर में ऑनलाइन जुआ रैकेट का भंडाफोड़

राजगांगपुर। राजगांगपुर पुलिस ने सोमवार दोपहर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ऑनलाइन जुआ रैकेट का पर्दाफाश किया। स्टेशनपाड़ा स्थित एक किराए के मकान पर छापा मारकर पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया, जो महादेव बुक ऐप के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, घुड़दौड़ और कैसिनो खेलों पर अवैध सट्टेबाजी कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के युवक शामिल हैं। आरोपियों के नाम सोनदुपल्ली जगदीश भोपाल मड्डू कार्तिक (छत्तीसगढ़), आयुष बॉम्बेकर (रायपुर), महेंद्र गेडाम (भिलाई) और प्रदीप यादव (सुंदरगढ़)। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 15 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप और कई सिम कार्ड जब्त किए। आरोपियों ने लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर बैंक अकाउंट और ऑनलाइन लेन-देन पर कब्जा जमा रखा था। यूजर आईडी और पासवर्ड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए उपलब्ध कराए जाते थे। सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ के बाद सभी को अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह रैकेट बड़े स्तर पर फैला हुआ है और गिरोह के अन्य नेटवर्क की जांच जारी है।

किचन गार्डन की अनोखी पहल

बेलडेगी स्कूल के बच्चे अब खा रहे अपने हाथों उगाई सब्जियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ पत्थलगांव/महादेवडांड़

बगीचा विकासखंड का प्राथमिक विद्यालय बेलडेगी इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां मिड-डे मील में बच्चों की थाली में परोसी जा रही सब्जियां अब बाजार से नहीं आतीं, बल्कि स्कूल परिसर के किचन गार्डन से ही तोड़ी जाती हैं। इस अनोखी पहल ने बच्चों की सेहत और स्वाद दोनों को नया रंग दे दिया है। प्रधान पाठक अल्फा किरण मिंज और शिक्षक मुनु राम के मार्गदर्शन में बने इस किचन गार्डन में भिंडी, टमाटर, बैंगन, पालक, धनिया, लहसुन और मटर जैसी सब्जियां उगाई जा रही हैं। पहले से ही बच्चे लौकी, कद्दू, करेला और तरोई जैसी ताजी सब्जियों का स्वाद ले चुके हैं।

सामूहिक प्रयास, ग्राम पंचायत ने भी निभाई आह भूमिका-शिक्षक, रसोइया, स्वीपर और विद्यार्थी सभी ने मिलकर इस बागान को जीवंत बनाया है। पंचायत की ओर से लगाए गए सबमर्सिबल ने सिंचाई की दिक्कतें दूर कर दी हैं।

विकासखंड के लिए बना आदर्श मॉडल

बीईओ सुदर्शन पटेल ने कहा, संकुल सरईपानी के बेलडेगी स्कूल ने यह साबित किया है कि अगर संकल्प और सामूहिक प्रयास हो, तो सरकारी योजनाओं को और भी प्रभावी बनाया जा सकता है। बच्चों को न सिर्फ ताजी और शुद्ध सब्जियां मिल रही हैं, बल्कि वे खेती-बाड़ी और श्रम का महत्व भी सीख रहे हैं। यह पहल पूरे ब्लॉक के लिए एक आदर्श मॉडल है।

बेलडेगी स्कूल शिक्षा के साथ साथ स्वस्थ का बना नाजिर

स्कूल के प्रधानपाठक का मार्गदर्शन, सभी कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास से अब बेलडेगी स्कूल न केवल पढ़ाई में बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता में भी नजीर बन चुका है। ऐसी अभिनव पहल अन्य दूसरे स्कूलों के लिए एक उदाहरण बन चुका है।

पदमपुर वास्तु विहार में बिल्डर विवाद खरीदारों ने दर्ज कराई शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राउरकेला

कुआरमुंडा क्षेत्र के पदमपुर वास्तु विहार के अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदारों और बिल्डर के बीच विवाद बढ़ गया है। खरीदारों का आरोप है कि उन्होंने पूर्ण भुगतान करने के बावजूद अब तक फ्लैट के दस्तावेज़ नहीं पाए। दस्तावेज़ मांगने पर रविवार को मारपीट और अभद्र व्यवहार भी हुआ।

विकास प्रसाद सहित अन्य प्रभावित खरीदारों ने कुआरमुंडा पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि दस्तावेज़ लेने गए समय बिल्डर के लोग उनके साथ गाली-गलौज और शारीरिक झगड़ा तक कर चुके हैं। कई महिला खरीदारों ने भी इसी तरह के दुर्व्यवहार की शिकायत की। वहीं वास्तु विहार मैनेजमेंट का कहना है कि जिन ग्राहकों का भुगतान अधूरा है। उनके दस्तावेज़ रोके गए हैं और पूर्ण भुगतान करने वालों को कागजात प्रदान किए जा रहे हैं। मैनेजमेंट ने आरोपों को निराधार बताया और कहा कि विवाद को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। कुआरमुंडा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होने के बाद ही दोषियों का पक्ष स्पष्ट होगा। इस घटना के बाद खरीदारों में भारी आक्रोश है और वे प्रशासन से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

खबर संक्षेप

जिला भाजपा में मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति

रायगढ़। भाजपा प्रदेश महामंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और जिला अध्यक्ष अरुण धर दीवान के मार्गदर्शन में जिला मीडिया प्रभारी गणेश अग्रवाल ने मंडल स्तर पर मीडिया व सोशल मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति सूची जारी की है। रायगढ़ शहर से लेकर जूटमिल, कोडातराई, पुसौर, लोइंग, खरसिया, तारापुर, महका, चपले, किरोड़ीमल, सूपा, जोबी, राजपुर, लैलूंगा, तमनार, रोडोपाली, मुकडेगा, संबलपुरी, कुडुमकेला, छाल, धरमजयगढ़, कापू, घरघोड़ा और बाकरुमा मंडल तक जिम्मेदारी सौंपी गई है। मीडिया प्रभारी गणेश अग्रवाल ने सभी नियुक्त प्रभारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

रोजगार मेला पंजीयन शिविर 11 एवं 12 को

रायगढ़। राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 9 एवं 10 अक्टूबर 2025 को रायपुर में प्रस्तावित है। रोजगार मेला में भाग लेने वाले आवेदकों के लिए दो दिवसीय विशेष पंजीयन शिविर का आयोजन 11 एवं 12 सितम्बर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायगढ़ के मुख्य कार्यशाला भवन में किया जाएगा। जिसमें वर्ष 2022 से 2025 तक आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी एवं 10 वीं एवं 12 वीं डिप्लोमा उत्तीर्ण निःशुल्क पंजीयन करा सकते है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

रायगढ़। जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जनदर्शन व विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिले में जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान जनदर्शन के प्रकरणों के गुणवत्ताहीन निराकरण पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर आते हैं, ऐसे में उनके आवेदनों का निराकरण विभाग प्रमुख स्वयं सुनिश्चित करें। जिन आवेदनों के निराकरण में एक से अधिक कार्यालयों की भूमिका है, उन आवेदनों का निराकरण आपसी समन्वय स्थापित कर किया जाए। आवेदक को संतोषजनक परिणाम मिले, यह सुनिश्चित करें।

राजस्व से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जहां अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी हो चुके हैं, वहां तत्काल विधिवत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने अधीनस्थ अमलों को सक्रिय करने और राजस्व प्रकरणों का शीघ्र एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि जहां भी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, वहां जांच कर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या के समाधान के लिए भटके नहीं। प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो।

गरीब और मध्यम वर्गीय छात्रों के लिए तकनीकी शिक्षा का नया ठिकाना बना संस्थान

गढ़उमरिया में सरकारी सहयोग से शुरू हुआ नव गुरुकुल, रोजगार की मिलेगी गारंटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

गढ़उमरिया के केआईटी कैंपस स्थित नवगुरुकुल में गरीब और मध्यमवर्गीय छात्र तकनीकी शिक्षा के माध्यम से नया आयाम गढ़ रहे हैं। सरकारी सहयोग से शुरू हुए इस नवगुरुकुल के छात्रों को रोजगार की गारंटी मिल रही है।

डिजिटल युग में तकनीकी शिक्षा को हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्यरत नवगुरुकुल संस्था ने अब छत्तीसगढ़ में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। हाल ही में रायगढ़ में नवगुरुकुल कैंपस का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। यह संस्था पूरी तरह से नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन है और उन छात्रों के लिए खास अवसर लेकर आई है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं पर आईटी और टेक्नोलॉजी की दुनिया में करियर बनाना चाहते हैं। एक छोटे से कैंपस से आरंभ हुई यह पहल धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गई। आज भारत के 9 बड़े शहरों पुणे, हिमांचल, उदयपुर में इसके कैंपस संचालित हो रहे हैं। कहीं यह संस्था सरकार के साथ मिलकर काम करती है तो कहीं इसे स्वयंसेवी आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में रायगढ़, जशपुर और दंतेवाड़ा में नवगुरुकुल के कैंपस सक्रिय हैं। खास बात यह है कि तीनों कैंपस राज्य सरकार के सहयोग से संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को जीवन कौशल और रोजगारपरक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। रायगढ़ में हाल ही में स्थापित हुए कैंपस को लेकर छात्रों में खासा उत्साह है। यह संस्था उन युवाओं को मौका देती है जिनके पास बड़े शहरों में जाकर पढ़ाई करने की क्षमता नहीं होती, लेकिन वे आईटी सेक्टर में करियर बनाने का सपना रखते हैं।

छात्रों को होने वाले फायदे

नवगुरुकुल से जुड़ने वाले छात्रों को कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। छात्र अपनी डिग्री के साथ-साथ तकनीकी सर्टिफिकेट हासिल कर सकते हैं। रोजगार की संभावनाएं केवल आईटी सेक्टर तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी अवसर बढ़ते हैं। प्लेसमेंट की जिम्मेदारी संस्था खुद लेती है। पढ़ाई के दौरान ही छात्रों की कई स्किल्स विकसित हो जाती हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और करियर दोनों मजबूत होते हैं। रायगढ़ कैंपस की पार्टनर एसोसिएट प्रेरणा गुप्ता ने बताया कि यहां पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं है। छात्रों को हर चीज को सीखने में व्यक्तिगत स्तर पर मदद की जाती है। उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए हम इंग्लिश, स्पीकिंग और लाइफ स्किल्स पर विशेष ध्यान देते हैं। यही कारण है कि यहां से निकलने वाले छात्र सिर्फ नौकरी पाने वाले नहीं, बल्कि जीवन की हर चुनौती का सामना करने वाले बनते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्था में माहौल पूरी तरह दोस्ताना और सहयोगी है। इस प्रशिक्षण केन्द्र में लगभग 150 छात्राओं को 18 महीने का कोडिंग, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन, फाइनेंस, बिजनेस मैनेजमेंट, और एजुकेशन में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एडमिशन की यह है प्रक्रिया

नवगुरुकुल में प्रवेश पाने के लिए कुछ बुनियादी शर्तें तय की गई हैं। छात्रों को कम से कम 10वीं पास होना जरूरी है। परिवार की वार्षिक आय 5 लाख रुपए या उससे कम होनी चाहिए। इसके बाद चयन की प्रक्रिया शुरू होती है, जिसमें तीन चरण लिखित परीक्षा, इंटरव्यू व दस्तावेज सत्यापन शामिल हैं। इस प्रक्रिया के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि केवल योग्य और सही पात्रता वाले छात्र ही संस्था से जुड़ें। खासतौर पर दस्तावेज सत्यापन इसलिए किया जाता है ताकि कोई भी छात्र गलत आय प्रमाण पत्र देकर प्रवेश न ले सके।

क्या सिखाया जाता है यहां

नवगुरुकुल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां छात्रों को केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं दी जाती, बल्कि उन्हें एक संपूर्ण इंसान के रूप में तैयार किया जाता है। छात्रों को कोडिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डिजिटल टूल्स की जानकारी दी जाती है। इसके अलावा विशेष फोकस अंग्रेजी बोलने और लिखने की क्षमता पर किया जाता है, ताकि छात्र इंटरव्यू और कॉर्पोरेट माहौल में खुद को बेहतर साबित कर सकें। इतना ही नहीं समय प्रबंधन समस्या समाधान और टीम वर्क जैसी क्षमताएं भी सिखाई जाती हैं। साथ ही छात्रों को आत्मविश्वास से बोलने और प्रस्तुति देने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसी प्रकार संस्था छात्रों को लैपटॉप उपलब्ध कराती है, ताकि वे प्रैक्टिकल तरीके से हर तकनीक को सीख सकें।

नवगुरुकुल की क्या है विशेषता

नवगुरुकुल को अन्य तकनीकी संस्थानों से अलग बनाती है इसकी नॉन-प्रॉफिट सोच और समग्र शिक्षा प्रणाली। जहां अन्य संस्थान केवल पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, वहीं नवगुरुकुल छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने पर फोकस करता है। गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए यह खुला मंच है। यह पूरी तरह से सरकारी सहयोग और सामाजिक भागीदारी पर आधारित है।

चावल गबन प्रकरण में सात साल बाद कार्रवाई

पुसौर। कांदागढ़ पंचायत में सात साल पहले के कथित चावल गबन प्रकरण में अचानक हुई कार्रवाई से पूर्व सरपंच सोमती सिदार ने शासन-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिस कार्य में उनका कोई हस्ताक्षर या जवाबदेही नहीं थी उसमें उन्हें केवल सरपंच पद पर रहने के कारण फंसा दिया गया और जेल तक भेज दिया गया। सरपंच सोमती सिदार का कहना है कि 2018 में फूड इंस्पेक्टर ने निरीक्षण किया और सचिव से शिकायत लिखवाई। जबकि न तो जनता ने कभी कमी की शिकायत की और न ही उन्हें खुद कोई जानकारी थी। अगर तीन माह का चावल नहीं बंटा, तो जनता क्यों शिकायत लेकर नहीं गई। किस माह का चावल अप्राप्त रहा, आज तक किसी को पता नहीं। पूर्व सरपंच का कहना है कि चावल वितरण का पूरा काम पंचायत सचिव के नाम से होता था। सचिव ने खुद माना था कि हर माह दो-तीन क्विंटल चावल कम आता था और उसकी भरपाई के लिए उसने फूड इंस्पेक्टर को नगद दिया। रजिस्टर और टैबलेट तक सचिव के पास थे। बावजूद इसके जिम्मेदारी मुझ पर डाल दी गई। सोमती सिदार ने बताया कि अपने कार्यकाल में उन्होंने आंगनबाड़ी भवन, सीसी सड़क, शौचालय, तालाब, सामुदायिक भवन, रोजगार और मुआवजा जैसे सैकड़ों विकास कार्य किए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घरघोड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व शिविर का आयोजन

घरघोड़ा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 9 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घरघोड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.आर. पैंकरा और डॉ. गभेल सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया। आयोजित शिविर में कुल 54 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से 17 महिलाएं उच्च जोखिम (हाई रिस्क) श्रेणी में पाई गईं। इनमें एक महिला सिकलिंग पॉजिटिव भी चिन्हित हुई। उच्च जोखिम वाली महिलाओं को सोनोग्राफी, विशेष परामर्श और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के निर्देशानुसार यह अभियान हर महीने की 9 और 24 तारीख को संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य मातृ मृत्यु दर को शून्य स्तर तक लाना और गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, परामर्श व निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। शिविर के सफल आयोजन में खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी विनोद एक्का, पर्यवेक्षक रोहित डनसेना सहित समस्त स्वास्थ्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

दुलेराम सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की राह पर

रायगढ़। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी साफ दिखने लगा है। रायगढ़ जिले के ग्राम गुढगहन के एक निवासी, दुलेराम पटेल, ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का रूफटॉप सोलर पैनल लगवाया है। इस कदम से उन्हें लगातार बिजली बिल में भारी बचत हो रही है। मई माह में दुलेराम पटेल के सोलर पैनल ने 165 यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जिससे उन्हें 678 रुपए की सब्सिडी मिली। इसके बाद जून माह में उनके पैनल ने 171 यूनिट बिजली पैदा की। इस महीने उन्हें 814 रुपए की छूट मिली और उनका बिजली बिल पूरी तरह से शून्य हो गया। दुलेराम पटेल ने बताया कि सोलर पैनल से सिर्फ बिजली के बिल में राहत ही नहीं मिलती, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे सौर ऊर्जा का उपयोग कर न केवल आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर जताया विरोध

सरसीवा। विकासखंड मुख्यालय बिलाईगढ़ सहित सरसीवा भटगांव क्षेत्र में 8 सितंबर को कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर कार्य किया। यह आंदोलन छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार 8 और 9 सितंबर को अधिकारी-कर्मचारी काली पट्टी लगाकर विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसके बाद 15 सितंबर को विकासखंड और जिला स्तर पर तहसीलदार, एसडीएम और कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। वहीं 23 सितंबर को सभी जिलों में एक दिवसीय सांकेतिक प्रदर्शन और रैली आयोजित कर कलेक्टर के माध्यम से मांग पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि शासन जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करता है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

ये हैं प्रमुख मांगें

1. ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का वेतनमान संशोधन।
2. मासिक स्थायी भत्ता को बढ़ाकर 2500 करने की मांग।
3. विभागीय कार्य संपादन हेतु मोबाइल, इंटरनेट, लैपटॉप और स्टेशनरी हेतु संसाधन भत्ता।
4. अतिरिक्त प्रभार की स्थिति में सम्मानजनक अतिरिक्त भत्ता।
5. पदनाम संशोधन कर कृषि विस्तार अधिकारी करना।
6. सेवा सहकारी समितियों में इयूटी सामग्री का भंडारण एवं डीबीटी प्रणाली से भुगतान।
7. ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से कृषि विकास अधिकारी पद पर लंबित पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू करना।

प्रगति हायर सेकेंड्री स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

चंद्रपुर। प्रगति हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद छात्रों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्रों ने गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर छात्रों ने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन के बिना वे जीवन में सफलता हासिल नहीं कर सकते। वहीं, शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य श्रीमती जयश्री दीपेश पुरोहित ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक दिवस हमें अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की नींव होते हैं, जो बच्चों को सही मार्ग दिखाते हैं। अंग्रेजी माध्यम प्रधानपाठक दिनेश पुरोहित, उपप्राचार्य अंजू पुरोहित सहित सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई।

22 को धूमधाम से मनाई जाएगी अग्रसेन जयंती

चंद्रपुर। स्थानीय अग्रवाल सेवा संघ की एक आवश्यक बैठक रविवार की रात अग्रसेन भवन में सम्पन्न हुई, जिसमें अग्र बंधुओं ने इस वर्ष भी महाराज अग्रसेन जयंती को परंपरानुसार धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। बैठक में यह तय किया गया कि आगामी सोमवार 22 सितंबर को प्रातः काल महाआरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शाम 4 बजे नगर में शोभायात्रा निकाली जाएगी।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में 15 सितंबर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। इस वर्ष समारोह में अंचल के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। शुभम अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल और आकाश अग्रवाल रिकी ने जानकारी दी कि अग्रसेन जयंती के दिन अग्रवाल समाज की सभी दुकानें बंद रहेंगी और समाजजन पूर्ण उत्साह के साथ आयोजन में शामिल होंगे। बैठक में शुभम अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, सुलभ अग्रवाल, अमन अग्रवाल, रानू अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, रिकी अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मन्ना और प्रवीण अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं अग्रबंधु उपस्थित रहे। बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

व्याख्याता भोजराम का विद्यालय परिवार ने किया अभिनंदन

रायगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तारापुर के प्रभारी प्राचार्य एवं व्याख्याता भोजराम पटेल को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के हाथों डॉ. बलदेव स्मृति सम्मान मिलने के उपरांत विद्यालय लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं, शाला प्रबंधन समिति, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने पटेल का अभिनंदन करते हुए उन्हें विद्यालय का गौरव बताया। ज्ञात हो कि भोजराम पटेल न केवल शैक्षणिक गतिविधियों में बल्कि राष्ट्रीय सेवा योजना संगठक के रूप में सामाजिक सेवा और रचनात्मक कार्यक्रमों में भी सक्रिय रहते हैं। उनकी दो पुस्तकें उड़ान और सरकारी स्कूल कैसे बने असरकारी प्रकाशित हो चुकी हैं। साथ ही उनकी साहित्यिक रचनाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशित होती रही हैं। प्रदेश के शिक्षा विभाग का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होने पर विभागीय अधिकारियों, शिक्षक साथियों, सामाजिक संगठनों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी।

न्यायालय तहसीलदार सरिया, जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. बी-121/ वर्ष 2024-25
ग्राम-कोर्रा तहसील सरिया
जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंदन सिंह ठाकुर पिता दिनदयाल सिंह निवासी कोर्रा तहसील सरिया जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा आवेदन पेश कर आवेदक अपने पुत्र रूपेश सिंह के लिए केन्द्र सरकार के अंतर्गत लोक पदों एवं सेवाओं में नियुक्ति एवं शैक्षाणिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित आर्थिक कमजोर वर्ग (E.W.S) के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने का लेखकर आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 18.09.2025 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
सरिया

कार्यक्रम में महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

जिंदल फाउंडेशन तमनार में मनाया गया पोषण सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ⏭ तमनार

जिंदल फाउंडेशन, जेपीएल तमनार द्वारा 01 से 07 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस वर्ष की थीम बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें को आधार बनाते हुए संस्थान ने अपने सातों ग्रामों में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

अभियान की शुरुआत 01 सितंबर को ग्राम धौंराभांठा में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद 02 सितंबर को तमनार में पौष्टिक थाली सजावट प्रतियोगिता, 03 सितंबर को रायपारा में रंगोली प्रतियोगिता, 04 सितंबर को कसडोल में सुपोषण परिचर्चा, 05 सितंबर को चितवाही में गर्भवती माताओं के लिए पौष्टिक भोजन निर्माण, 06 सितंबर को कुंजेमुरा में स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता प्रतियोगिता और अंत में 08 सितंबर को राबो ग्राम में आयरन युक्त आहार बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी आयोजनों में स्थानीय महिलाओं ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। विशेष रूप से गर्भवती माताओं को संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जानकारी दी गई। प्रतियोगिताओं और परिचर्चाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को यह समझाने का प्रयास किया गया कि संतुलित भोजन अपनाकर ही परिवार और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखा जा सकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ धौंराभांठा में हुआ। जहां राजेश रावत उप महाप्रबंधक ने पोषण को दैनिक जीवनचर्या के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सही आहार ही स्वस्थ जीवन की नींव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिदार ने ऐसे आयोजनों को गर्भवती महिलाओं और ग्रामीण समाज के लिए वरदान बताया। इस अभियान का सफल संचालन सुश्री नीतू सारस्वत के नेतृत्व में किया गया। जिसमें स्वास्थ्य संगिनियों की सक्रिय भूमिका रही।